Title: Raised objections on the procedure of introduction of the Women's Reservation Bill.

SHRI BUTA SINGH: Sir, the Women's Reservation Bill has not been introduced ... (Interruptions) The hon. Speaker could not complete the process ... (Interruptions) Sir, he did not announce it in the proper manner ... (Interruptions) and we take it that the Bill has not been introduced ... (Interruptions)

SHRI SATYA PAL JAIN : It has been introduced ... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, हम महिला बिल के बारे में चाहते थे कि उसमें दलितों, आदिवासियों, पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं

के लिए रिजर्वेशन का प्रावधान होना चाहिए।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : अब हमने दूसरा सबजैक्ट ले लिया है।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : हम उसके लिए संघर्ष और प्रोटेस्ट कर रहे थे। इस कारण वैल में भी आ गए। सरकार ने कहा था कि जब तक इस बारे में कनसैंसस नहीं होगा, यह विधेयक नहीं लाया जाएगा लेकिन खुराना जी और सरकार चाहती है कि सदन में इसी तरह की अशोभनीय घटना हो और पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों को आघात पहुंचे।

... (व्यवधान)

आसन का आदेश सर्वोपरि है। हम आपके हुक्म का इंतजार करेंगे। ... (व्यवधान)

एल द्वारा जारी

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह जारी हम लोग संघर्ष कर रहे हैं और सरकार ने इस मामले में क्या किया, हमें मालूम नहीं।

सभापति महोदय : वह बिल इंट्रोडयूस हो गया है।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, कानून के अनुसार इस तरह से करोड़ों के हितों पर आघात हो रहा है। इसलिये हम लोग इस बिल का जबरदस्त विरोध कर रहे थे। हम लोग कल वैल में आये थे और प्रार्थना कर रहे थे कि इस प्रकार का जन विरोधी, दलित विरोधी और पिछड़ा वर्ग विरोधी कानून न लाया जाये...

सभापति महोदय : आप संशोधन दीजियेगा, अभी तो बिल इंट्रोडयूस हुआ है।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति जी, जानकार लोग कहते हैं कि कानूनन इसमें संवैधानिक दृष्टि से संशोधन की जरूरत नहीं है। इसमें सरकार की मिलीभगत है।

कानूनविदों ने कहा है कि संशोधन पिछले समय में नहीं माना गया था और संशोधन की जरूरत नहीं है, फिर इसमें कैसे होगा?

... (व्यवधान)

.. सदन में हम अपनी बात कैसे रख पायेंगे?

सभापति महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, अब आप बैठिये, आप अपनी बात रख चुके हैं। श्री राधाकृष्णन जी खड़े हैं, उन्हें बोलने दीजिये।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप लोग बैठिये। आप बिल में संशोधन दीजियेगा।

... (व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे (बक्सर) : सभापति महोदय, ये महिला का नाम पब्लिसिटी के लिये ले रहे हैं। ये लोग महिला बिल के विरोधी हैं।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : बूटा सिंह जी, आप बैठिये।

श्रीमती कैलाशो देवी (कुरूक्षेत्र): सभापति महोदय, ये लोग दलित महिलाओं की बैसाखी का सहारा लेकर ऊपर आना चाहते हैं....

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : यह ज़ीरो ऑवर नहीं है। जीरो ऑवर खत्म हो गया है। अभी बिल पर चर्चा हो रही है। श्री राधाकृष्णन जी...

श्री रघुवंश प्रसाद सिंहः सभापति जी, संवैधानिक संशोधन का सवाल है....

सभापति महोदय : आप बैठिये। श्री राधाकृष्णन जी खड़े हैं, उन्हें बोलने दीजिये।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति जी, देश की इतनी बड़ी जनसंख्या पिछड़ी जाति और दलित महिलाओं और अल्पसंख्यकों की हैं, उनका क्या होगा?

सभापति महोदय : क्यों नहीं होगा, आप अमेंडमेंट दीजिये।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अगर आपका हुकम है कि पिछड़े वर्ग,दलित, अल्पसंख्यकों और आदिवासी महिलाओं का आरक्षण होगा तो हमें आपका नियमन मंजूर है।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सभापति महोदय, मुझे भी एक बात कहनी है।

सभापति महोदय : नहीं, जीरो ऑवर नहीं है। प्लीज़ टेक योअर सीट।

श्रीमती कैलाशो देवी : सभापति महोदय, दलित महिलाओं को पीटा गया। इसलिये इन लोगों के मन में दलित महिलाओ के लिये कितना सम्मान है, आप इनकी इस बात से अनुमान लगा सकते हैं कि ये महिला विरोधी हैं

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप हाउस का समय नष्ट कर रहे हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, आप मुझे एक मिनट के लिये बात करने दीजिये।

सभापति महोदय : यह ज़ीरो ऑवर नहीं है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, हम ज़ीरो ऑवर में नहीं बोलना चाहते हैं।

सभापति महोदय : फिर आप क्यों बोल रहे हैं? हम आपको इज़ाजत नहीं देंगे। आप बैठिये।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति महोदय, हम आपसे यह कहना चाहते हैं....

सभापति महोदय : आप बैठिये।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति महोदय, आप मेरी बात तो सुनिये।

सभापति महोदय : नहीं, हम नहीं सुनेंगे। प्लीज़ टेक योअर सीट।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, आप मेरी बात तो सुनिये। मैं यह कहना चाहता हूं कि हम एक नये सदस्य हैं...

सभापति महोदय : नहीं, आप नये नहीं हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, हम यहां कुछ सीखने के लिये आये हैं। महिला बिल जिस ढंग से पेश किया गया, उस समय हाउस आर्डर में नहीं था।

उस परिस्थिति में बिल इंट्रोडयूस नहीं होना चाहिए था। हम आसन से उम्मीद रखते हैं कि जिस समय हाउस शांत रहेगा, उस समय इस बिल को इंट्रोडयूस करने की कोशिश की जाएगी।

... (व्यवधान)

श्री बूटा सिंह : मेरा भी यही कहना है।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : What is this?
Nothing will go on record except what Shri Varakala Radhakrishnan says.
(Interruptions)*

श्री बूटा सिंह : सभापति जी, आज तक जितने भी विधेयक पेश हुए हैं, उनके लिए रूल्स एंड प्रोसीजर में लिखा है कि एक प्रक्रिया है और वह फॉलो होनी चाहिए और यह विधेयक संविधान में संशोधन करने जा रहा है इसलिए इस पर तो बिल्कुल प्रक्रिया फॉलो करनी चाहिए। बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि आज जिस ढंग से यह बिल इंट्रोडयूस हो गया, वह सरासर गलत है।

... (व्यवधान)

THE MINISTER OF POWER (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): It is unfortunate, Sir, Despite the hon. Speaker condemning the walking into the Well, within a minute they came to the well. How is that they are talking about the procedure now?... (Interruptions)

श्री बूटा सिंह : सभापति जी, इस बिल को प्रॉपरली इंट्रोडयूस करना चाहिए। ... (व्यवधान) मैं मानता हूं कि यह बिल इंट्रोडयूस नहीं हुआ है।

... (व्यवधान)

इसमें रूल्स एंड प्रोसीजर फॉलो नहीं किये गए हैं।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये।

... (व्यवधान)

* Not recorded
MR. CHAIRMAN: Shri Varkala Radhakrishnan, you please continue.
... (Interruptions)

सभापति महोदय : आप हाउस का समय क्यों नष्ट कर रहे हैं? आप बैठिये।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : इन्होंने धोखा दिया है।

... (व्यवधान)

सभापति जी, प्रधान मंत्री जी ने वायदा किया था कि आम सहमति से यह बिल आएगा। कहां है आम सहमति?

श्री सत्यपाल जैन : आम सहमति हो गई है। आप अपनी तरफ बैठे सदस्यों से पूछिये। ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप शांति से बैठिये।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : आप रेकार्ड देखिये कि कानूनन रूल्स और प्रोसीजर के जरिये बिल पेश हुआ है या नहीं।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : हम नहीं जानते कि बिल का क्या हुआ। इसलिए आपसे नियमन की अपेक्षा रखते हैं। महिला संशोधन बिल का क्या हुआ, हम जानना चाहते हैं ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : राधाकृष्णन जी आप बोलिये।

श्री दिग्विजय सिंह (बांका) : यह कैसे बोलें। क्या कोई शरीफ आदमी इस समय बोल सकता है?

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये। राधाकृष्णन जी बोलने के लिए खड़े हुए हैं।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : हम भी बोलने के लिए खड़े हुए हैं।

सभापति महोदय : आपको बोलने की इजाज़त हमने नहीं दी है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, माननीय सदस्य दिग्विजय सिंह जी ने कहा है कि इस समय कोई शरीफ़ आदमी नहीं बोल सकता। हम जानना चाहते हैं कि रघुवंश बाबू सहमत हैं कि ये सही बोल रहे हैं?

... (व्यवधान)

_____
1537 hours
The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes

past Sixteen of the Clock.
1632 hours
The Lok Sabha re-assembled at thirty-two minutes
past Sixteen of the Clock.
(Shri K. Yerrannaidu in the Chair)
... (Interruptions)
SHRI BUTA SINGH (JALORE): Mr. Chairman, Sir, I rise on a point of order.
Sir, according to Rule 72 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, the procedure has been given a go-by in this House. Sir, the procedure has not been followed when the hon. Minister got up to introduce the Bill. Nothing could be heard in the House at that time. ... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति जी, नियम ७२ को सुना जाये। ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : That subject is over now. The House shall now take up further discussion regarding atrocities on minorities.
... (Interruptions)
SHRI ARIF MOHAMMED KHAN (BAHRAICH): Sir, the rule has been violated. ... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: You should have raised those issues at the time of introduction and not now.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.
(Interruptions)*
MR. CHAIRMAN: Now, we will take up further discussion regarding atrocities on minorities.
... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति जी, नियम ७२ को सुना जाये।

... (व्यवधान)

नियम ७२ का घोर उल्लंघन हुआ है।

... (व्यवधान)

* Not recorded
MR. CHAIRMAN: Now, I am calling the next hon. Member to participate on that discussion. Shri T.R. Baalu.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Shri Buta Singh, you are a senior Member. You are aware of all those things. It is not possible to raise any point of order at this time, regarding that issue. That issue is over now.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Shri Arif Mohammed Khan, you are well versed with the rules and regulations. How is it possible to raise that issue now?
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Please cooperate with the Chair.
... (Interruptions)
THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI MADAN LAL KHURANA): Sir, the ruling of the Chair cannot be discussed.

सभापति जी, अगर इनको उस समय कोई एतराज था, तो यह लिखकर दे देते।

... (व्यवधान)

Sir, this is an afterthought. ... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN : Please sit down. Shri Vijay Goel, do not argue with them.

... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Shri Buta Singh, please sit down.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Shri Buta Singh, you are a senior Member. The Chair has already given the ruling. The Bill has already been introduced. How can you raise a point of order at this juncture?
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Shri Lal Muni Choubey, why are you unnecessarily interrupting the proceedings? Please sit down.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: How can you challenge the Speaker's ruling?
... (Interruptions)
1637 hours
(At this stage, Shri Buta Singh, Dr. Shafiqur Rahman Barq and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)
MR. CHAIRMAN: I will not allow this.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Please go to your seats.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: This is not the way to protest.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.
(Interruptions)*
MR. CHAIRMAN: You raise your point of order from your seats.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: I will not allow this.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: You must have raised the point of order at the time of introduction of the Bill and not now.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: The Speaker has given the ruling. That is all over. That subject is over. I will not allow it now.
... (Interruptions)
* Not recorded
MR. CHAIRMAN : This is not the way. If you have any doubt, you can meet the Speaker and discuss with him. Once the Bill has been introduced, the matter is over.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: What about the Coffee (Amendment) Bill?
THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): Chairman, Sir... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: I will hear your points of order, you first go to your seats.
... (Interruptions)
SHRI ARIF MOHAMMED KHAN : Sir, it is absolutely a violation of law.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: I will give you a chance. This is not the way.
1642 hours
(At this stage, Shri Buta Singh and some other hon. Members went back to their seats.)
SHRI ARIF MOHAMMED KHAN : Sir, they have violated the law, the Constitution, the propriety and the assurance given to the Supreme Court. In fact, they have violated everything.... (Interruptions) Let him react to it
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: I will give you chance later on. Please sit down.

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक): ये पैनल ऑफ चेयरमैन में हैं, फिर भी रोज वैल में चले जाते हैं। जिस दिन आप ऊपर बैठेंगे और हम लोग अन्दर आयेंगे तो आप हमको कैसे रोकेंगे? आप तो पैनल ऑफ चेयरमैन में हैं, आपको अन्दर नहीं जाना चाहिए।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): आप कानून का पालन करिये।

श्री विजय गोयल : आपको वहां जाने का कोई मतलब नहीं है, आप कैसी बातें कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : हम नियम की बात सुनेंगे।

... (व्यवधान)

श्री विजय गोयल : आप कैसे हाउस को कण्ट्रोल करेंगे? आप रोज हाउस नहीं चलने देंगे, जनता का इतना पैसा खराब हो रहा है।

... (व्यवधान)

He is on the Panel of Chairmen also.
MR. CHAIRMAN: Please do not argue with them.
SHRI G.M. BANATWALLA : Please listen to me under Rule 72.... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: You are a senior Member of the House. You are aware of all that I am saying.
SHRI G.M. BANATWALLA : Since I am a senior Member, you should listen to me.... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: How can you raise the point of order, once the Speaker has given a ruling?
SHRI G.M. BANATWALLA : I am not raising the point of order. I am asking... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: I cannot allow you. Once the Bill is introduced, there is no point raising the matter again and again.
... (Interruptions)
SHRI G.M. BANATWALLA : This is not proper.... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : आपने कहा कि तुरन्त सुनेंगे। सभापति महोदय, आपने कहा कि सुनेंगे।

... (व्यवधान)

श्री बूटा सिंह (जालौर): ऐसा कैसे हो सकता है?

SHRI ARIF MOHAMMED KHAN : The Chair has been given power to correct any mistake that has been committed. It has been pointed out that a mistake has been committed. The Chair has the power to correct it.... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : आपको परम्परा और मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए था। हम लोग आग्रह कर रहे हैं, प्रार्थना कर रहे हैं, नियम-कायदे की बात है, नियम, परम्परा और मर्यादा की बात है।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Once the matter is over, I cannot allow further discussion on it.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: There is no point of order.
... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : बिना सुने कैसे फैसला होगा?

... (व्यवधान)

1644 hours
(At this stage, Shri Buta Singh and some other hon. Members came
and stood on the floor near the Table.)
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN : The Bill has already been introduced.
... (Interruptions)
MR. CHAIRMAN: You are all senior Members. Once the Bill is introduced, how can I allow you to speak on this subject?

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 15th December, 1998 at 1100 hours.

16.46 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on

Tuesday, December 15, 1998/Agrahayana 24, 1920 (Saka).